जय जवान जय किसान जय संविधान

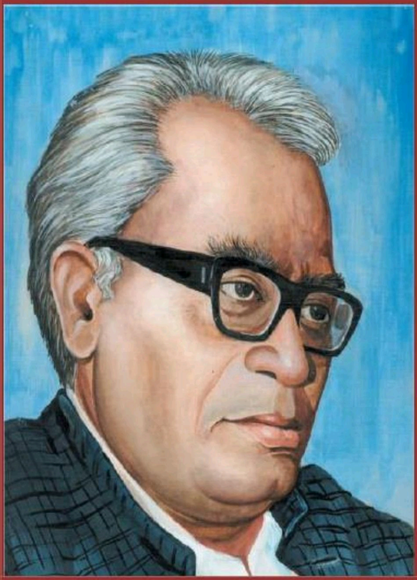

मिशन

समाजवादी पार्टी

2027

''जिन्दा कौमें सरकार बदलने के लिए पांच साल का इंतजार नहीं करती।''

''राजनीति में हिस्सा न लेने का सबसे बड़ा दण्ड यह है कि अयोग्य व्यक्ति आप पर शासन करने लगता है।''

**सामाजिक न्याय एवं समता मूलक समाज का निर्माण की सोच वाले बुद्धिजीवियों द्वारा एस0आई0आर0(स्पेशल इंटेसिव रिविजन) पर हजारो द्वारा तैयार तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सर्वे रिपोर्ट एवं हर पल की तार्किक समीक्षा–**

**तथ्य संग्रह तार्किक एवं बुद्धिजीवी समाज पी.डी.ए.**

जय समाजवाद जय संविधान जय राष्ट्रवाद

# पी0डी0ए0 समाज द्वारा एस0आई0आर0 पर तैयार सर्वे रिपोर्ट

## लेखक– बुद्धिजीवी समाज

**सेवा में,**

**मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष जी**
**समाजवादी पार्टी**
**लखनऊ, उ0प्र0।**

**विषयः एस0आई0आर0 पर बूथ लेबल पर सतर्क प्रबन्धन एवं निगरानी तंत्र हेतु प्रदेश स्तर पर तत्काल एक नियंत्रण प्रणाली विकसित करने के सम्बन्ध में।**

**महोदय,**

सादर अवगत कराना है कि उ0प्र0 में एस0आई0आर0 (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) हो रहा है। हलाँकि (एस0आई0आर0) को लेकर पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को काफी हद तक तकनीकी ज्ञान एवं अनुभव है। परन्तु, जिस प्रकार भाजपा एवं आर0एस 0एस0 तकनीकी और आर्थिक पहलू पर हमसे बहुत मजबूत है। साथ ही उनके पास दक्ष मानव सम्पदा, हर स्तर पर आर्थिक मजबूती, संघ की शाखाओं में प्रशिक्षित बुद्धिजीवी केन्द्र और कई राज्यों को पूर्णतः और आंशिक भागीदारी द्वारा उनकी सरकारें हैं जिससे कि सरकारी संस्थाओं एवं सरकारी संसाधन का भरपूर प्रयोग अपने हित में करने में सक्षम है और अभी बिहार में एन0डी0ए0 की जीत से उनके कार्यकर्ताओं में बहुत जोश है। साथ ही बिहार चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल को मिली बड़ी जीत में जहाँ उ0प्र0 में पासवान जाति को भाजपा के बहुत करीब लाया तो वहीं नीतीश कुमार के बिहार का पुनः मुख्यमंत्री बनने से उ0प्र0 के कुर्मी समाज का भाजपा से होता मोहभंग रूक चुका है। आज ऐसे सैकड़ों कारण है जहाँ आज के परिप्रेक्ष्य में समाजवादी पार्टी भाजपा के समक्ष निचले स्तर पर उतना मजबूत नहीं दिख रही है जितना कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पी0डी0ए0 के मजबूत नारे के साथ और सामाजिक एकता के साथ दिख रही थी?

अब समाजवादी पार्टी को अपना कोर वोट बैंक यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वोट पूरा का पूरा बचाना होगा। साथ ही दलित समाज के जाटवों का सपा के प्रति दृष्टिकोण बदल रहा है, अतः दलित समाज के एक–एक वोट को नयी मतदाता सूची में कटने से बचाना है। साथ ही बहुत सतर्क होकर एस0आई0आर0 फार्म भर कर जमा करवाना होगा।

**इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु समाजवादी पार्टी के लखनऊ कार्यालय में डिजिटल बूथ मैनेजमेन्ट एवं मतदाता सूची निगरानी प्रणाली विकसित करना होगा।**

निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में बी0एल0ओ0 एवं पर्यवेक्षकों की कार्य प्रणाली में डिजिटल सिस्टम का प्रयोग करते हुए रियलटाइम मानिटरिंग रिपोर्टिंग और समीक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। इस प्रणाली में मतदाता सूची में त्रुटियों को कम करने, पादर्शिता बढ़ाने और कार्य में गति लाने में अत्यन्त प्रभावी भूमिका निभाई है।

- इसी माडल को ध्यान में रखते हुए समाजवादी पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में भी एक डिजिटल और मानिटरिंग आधारित बूथ प्रणाली सिस्टम तत्काल प्रभाव से पार्टी कार्यालय पर स्थापित किया जाये।
- उक्त केन्द्रिय डिजिटल सिस्टम (पार्टी कार्यालय) पर मजबूती से अमल करने हेतु चुनाव लड़ने में किये खर्च के मुकाबले तत्काल प्रशिक्षित मानव सम्पदा और केन्द्रिय डिजिटल सिस्टम को सीधे बूथ तक मजबूती हेतु तत्काल पार्टी को दो काम करना होगा।

  1– दक्ष/योग्य मानव सम्पदा को 75 जिलों के सापेक्ष तैयार कर, प्रशिक्षित कर अपने काम में लगा देना है।

  2– पार्टी को उक्त कार्यक्रम को संचालित करवाने हेतु धन की व्यवस्था करना है।

- सपा पार्टी कार्यालय पर प्रत्येक जिले के सापेक्ष एक–एक आई0टी0 सेल के जानकार और विश्वसनीय इंजिनियर को वेतन पर 2–3 माह रखना होगा।
- साथ ही, प्रत्येक जिले में एकीकृत डिजिटल एवं मॉनिटरिंग आधारित बूथ प्रबन्धन प्रणाी की जवाबदेही तय करने और बूथ स्तर तक एस0आई0आर0 होने तक सन्दर्भित जिले के जिम्मेदार काबिज व बुद्धिजीवी नेता को तत्काल लगाना होगा।

**आई0टी0 इंजीनियर एवं जिला विशेष के लिये चयनित दक्ष नेता रोजाना पार्टी कार्यालय में सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक जिन जिलों के लिए उक्त नेता का चयन है वह जिलाध्यक्ष सहित जनपद के सभी जिम्मेदार नेताओं, वर्तमान/पूर्व सांसद एवं मंत्री, वर्तमान/पूर्व विधायक, वर्तमान/पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, वर्तमान/पूर्व महापौर/मेयर नगर पालिका अध्यक्ष, वर्तमान/पूर्वक ब्लाक प्रमुख सहित तमाम जिम्मेदार फ्रंटल इकाइयों के नेताओं से सम्पर्क में रहकर एस0आई0आर0 को सुचारू रूप से सम्पादित करवायेगा।**

इसी क्रम में जिलाध्यक्ष/विधानसभा अध्यक्ष, जिले के सेक्टर प्रभारी, बूथप्रभारी और उसकी टीम को सक्रिय रखेगें।

**समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण समस्याएँ/चुनौतियाँ :**

1– पार्टी के मेहनतकश ग्रामीण कार्यकर्ता अधिकांशतया खेती, किसानी, पशुपालन और ग्रामीण संरचना आधारित कार्यों से जुड़ा है।

2– अभी धान की कटाई, मड़ाई और रवि की फसल की बुवाई का काम जोरो पर है।

3– शादी विवाह की लगन तेज होने की वजह से स्थानीय नेता दोपहर बाद अपने रिश्तेदारों एवं कार्यकर्ताओं के यहाँ शादी समारोह में भागीदारी हेतु देर रात तक चलता है।

4– समाजवादी पार्टी के ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ता पढ़े लिखे जरूर है परन्तु बी0जे0पी0/आर0एस0एस0 के कार्यकर्ताओं की तरह जुझारू और उद्देश्य के प्रति समर्पित नहीं है।

5– जहाँ आर0एस0एस0 पिछले 100 वर्षों से पूरे देश में हर जाति से प्रशिक्षित, समर्पित और पढ़े लिखे कार्यकता बना रखा है वैसा पढ़ा लिखा कैडर सपा के पास नहीं है।

6– सवर्ण समाज का (15%) आबादी का प्रत्येक परिवार से जो भी बेरोजगार एवं कम काबिल नौजवान है वह पत्रकारिता, वकालत व दलाली बाजारों में पढ़ लिखकर लगा है, साथ ही अधिकांश व्यक्ति जो सवर्ण समाज से है जो व्यवस्थित नौकरी नहीं पा सका उसकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति मजबूत है। साथ ही वहा जहाँ है 100 से 200 लोगों को जोड़े है और वह दूरदर्शी है इस लिये एस0आई0आर0 जैसे प्रोग्राम में तेजी से लग जाता है।

7– दलित, पिछड़ें, अति पिछड़े वंचित और मुस्लिम समाज के बेरोजगार और मेहनतकश लोग रोजी रोटी के लिए परदेश/विदेश जाते है जैसे– मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली आदि को वहीं दुबई, सऊदी, हांगकांग आदि जाकर कम–पढ़ा लिखा होने के बावजूद अपनी मेहनत से कमा खा लेते हैं। पर उन्हें बेहतर तकनीकी और बौद्धिक ज्ञान नहीं हो पाता और ऐसे लोग बहुत भारी संख्या में गाँव से बाहर है।

**नोट– यह कुछ ऐसे कारण रेखांकित किया गया है ताकि दलित पिछड़े और वंचित समाज की आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज के बारे में सही तरह से जाना व समझा जा सके और एस0आई0आर0 में केसे सही तरह से इनको न्याय दिलाया जा सकता है, उस पर सही तरी से लगकर इनके नाम मतदाता सूची में जुड़वाना होगा।**

**समाजवादी पार्टी के प्रधान कार्यालय लखनऊ में समाजवादी पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में एक डिजिटल और मानिटरिंग आधारित बूथ प्रबन्धन प्रणाली विकसित की जाये–**

**नोट– यह प्रणाली काफी गोपनीय एवं संवेदनशील होगी। इसे पी0डी0ए0 जातियों से ही अर्थात् दलित– पिछड़ा, वंचित अल्पसंख्यक समाज के ही बहुत विश्वसनीय व्यक्तियों को रखा जाये।**

- **उक्त डिजिटल प्रणली को काफी अपडेट किया जाये।**
- **अगर एक विधानसभा को उदाहरण के तौर पर ले तो– जैसे उदाहरण के तौर पर– जनपद प्रयागराज की फाफामऊ विधानसभा को लें–**

  जहाँ कुल बूथ (2024 लोकसभा चुनाव में – 378

  वर्ष– 2025 में कुल बूथ होगें– 405

- आपके पास विधान सभा में कुल जिम्मेदार कार्यकर्ताओं की टीम–

1– विधान सभा अध्यक्ष

विधान सभा उपाध्यक्ष

2– ब्लाक कमेटी

(अ) ब्लाक अध्यक्ष

(ब) ब्लाक उपाध्यक्ष **(5 की टीम)**

(स) ब्लाक महामंत्री

**नोट– एक विधानसभा में औसतन (04) ब्लाक होते हैं। अर्थात ब्लाक स्तरीय जिम्मेदार पदाधिकारी एक विधानसभा में 2 होगें।**

3– सेक्टर प्रभारी

सेक्टर सह–प्रभारी (2)

**4– बूथ अध्यक्ष और उनकी 9 नौ सदस्यीय टीम**

**अर्थात एक विधानसभा में कुल लगभग जिम्मेदार कार्यकर्ता–**

1– विधानसभा अध्यक्ष + विधानसभा उपाध्यक्ष और कमेटी में मिलाकर लगभग 14 की टीम

2– 4 ब्लाक में पदाधिकारीगण = **4 x 5** (एक ब्लाक के पदाधिकारी)

= **20**

3– सेक्टर = 41 41 x 2 (1 सेक्टर में सेक्टर प्रभारी + सह सेक्टर प्रभारी)

= **82**

4– बूथ स्तर पर टीम – 405 x 10 (बूथ प्रभारी + 9 सदस्यीय टीम)

= **4050**

➢ **फाफामऊ विधानसभा में पार्टी के कोर वर्कर टीम–**

1– विधानसभा कमेटी में सदस्य = 14

2– ब्लाक की कुल कमेटी में सदस्य = 20

3– सेक्टरों के कुल सदस्य = 82

4– बूथ अध्यक्ष + कुल सदस्य = 4050

अर्थात् एक विधानसभा में कुल जिम्मेदार पदाधिकारी=14 + 20+82+4050

= 4166 पदाधिकारी

➢ **साथ ही फाफामऊ विधासभा में बहुत सी ग्राम पंचायतें होगी– 216**

इन 2016 ग्राम पंचायतों में लगभग 40% से 50% ग्राम प्रधान समाजवादी विधानधारा के हैं (एक आकलन में अधिकतम प्रधान यादव, पासवान, मुसलमान है) साथ ही अन्य जाति कुर्मी आदि बहुल प्रधान विचारधारा के हैं।

अर्थात् लगभग **100 + ग्राम पंचायतों** में हमारा एक मजबूत व्यक्ति है, जो 300–400 वोटो पर पकड़ रखता है। साथ ही लगभग 100 ग्राम पंचायतों पर समाजवादी पार्टी से जुड़ा व्यक्ति बहुत कम मतों से चुनाव हारे हैं उनकी

सूची तैयार करना तत्काल जरूरी है जो मात्र 10–20 या 50–60 वोटो से हारे हैं उनका भी प्रभाव 200–300 वोटों या ज्यादा पकड़ बनाये रखते हैं। अर्थात– फाफामऊ विधानसभा के 216 ग्राम पंचायतों में हमारा कोई न कोई मजबूत व्यक्ति है।

साथ ही 216 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 216 बी0डी0सी0 सदस्य होगें। जिसमें जीतने व हारने वालों में से पार्टी से जुड़े जरूर होगें अर्थात् यहाँ भी 216 मजबूत कार्यकर्ता हैं।

**ब्लाक स्तर :** ब्लाक स्तर से भी पूर्व व वर्तमान और भावी प्रमुख मिलाकर विधानसभा में 10 + 15 कार्यकर्ता जरूर होगें।

**जिला पंचायत सदस्य –** फाफामऊ विधान सभा में पूर्व व वर्तमान मिलाकर 15–20 जिला पंचायत सदस्य भी होगें।

- वर्तमान व पूर्व मंत्री/सांसद/विधायक/एम0एल0सी0 आदि लगभग 4–5 की संख्या होगी।
- सांसद/विधायक प्रत्याशी– 4–5
- नगरीय क्षेत्रों के वर्तमान व पूर्व पार्षद – 5–6

साथ ही, समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय, जिलास्तरीय, तमाम फ्रंटल इकाईयों के कुल सदस्य लगभग 20–25 होगें। अर्थात पूरी फाफामऊ को उदाहरण के तौर पर देखा जाये तो जहाँ कुल ग्राम है– 216 (ग्राम पंचायते)

कुल बूथ– 405 (वर्ष 2025 में)

**वर्तमान में कुल वोट (365000) है।**

अगर फाफामऊ विधानसभा में कुल सक्रिय सदस्य, पदाधिकारी, सांसद, विधायक, एम0एल0सी0, मंत्री, जिला पंचायत प्रमुख विधानसभा अध्यक्ष व कमेटी, ब्लाक अध्यक्ष व कमेटी, सेक्टर व कमेटी, बूथ व कमेटी, साथ ही

पार्टी की सभी फ्रंटल ईकाइयों और प्रधान व बी0डी0सी0 सदस्य का कुल अगर आकलन किया जाय तो–

1– विधानसभा अध्यक्ष सहित बूथ स्तरीय कमेटी तक
कुल पदाधिकारी = 4166 (उपरोक्तानुसार)

2– ग्राम प्रधान/बी0डी0सी0 सदस्य (जीते/हारे)
216 x 2 = 432

3– ब्लाक प्रमुख (जीते/हारे) व भावी प्रत्याशी औसतन = 10

4– जिला पंचायत सदस्य (जीते/हारे)
औसतन = 15

5– मंत्री/सांसद/विधायक/एम0एल0सी0 (जीते/हारे)
औसतन = 4–5

5– पार्षद (नगरीय क्षेत्रों में (जीते व हारे)
औसतन – 4–5

6– विभिन्न राष्ट्रीय/प्रादेशिक/जिला स्तरीय/विधानसभा/ब्लाक स्तर के समस्त फ्रंटल इकाईयों के कुल सदस्य जो नगरों/महानगरों मे ंरहते हैं परन्तु गृह जनपद के हिसाब से उनका घर उक्त विधानसभा में होता है ऐसे जिम्मेदार पदाधिकारी 10–15 उक्त विधानसभा से है।

अर्थात

1– विधानसभा अध्यक्ष + बूथ सहित – 4166

2– ग्राम प्रधान/बी0डी0सी0 (जीते / हारे) औसत = 432

3– ब्लाक प्रमुख (जीते/हारे) औसत = 10

4– जिला पंचायत सदस्य (जीते/हारे) औसत = 15

5– मंत्री/सांसद/विधायक/एम0एल0सी0 (जीते/हारे) औसत = 5

6– पार्षद (जीते/हारे) औसत = 5

7– विभिन्न फ्रंटल ईकाईयों से औसत = 10

**कुल = 4643**

अर्थात लगभग 4643 जिम्मेदार कार्यकर्ता सपा की फाफामऊ विधानसभा में हैं।

कुल वोट ÷ कुल जिम्मेदार पदाधिकारी =

365000÷4543 = 78.61

अर्थात औसत = 80

अर्थात बड़े पदाधिकारी अगर 500 वोट को और छोटे–छोटे बूथ स्तरीय पदाधिकारी अगर 10–15 वोट के सम्पर्क में आ जायें अर्थात –

विधानसभा कुल वोट–365000 का 65% वोट पड़ता है। तो पड़ा वोट= **237250 अर्थात 237250 का आधा**

अर्थात् लगभग (118625)

अर्थात उसमें 15% वोट जोड़ दिया जाये

अर्थात् 17000 – 18000 वोट और जोड़ा जाये अर्थात् औसत 10,000 वोट ही जोड़ा जाये तो कुल सुरक्षित वोट = 118625 + 10000

= 128625

अब कार्यकर्ताओं से भाग दें– अर्थात विधानसभा की टीम है– (4643)

तो 128625 / 4643 = 27%

जीत के लिये आवश्यक वोट लगभग = 130,000

फाफामऊ विधानसभा में सपा की टीम = 4643

पर वास्तविक जीत हार के लिये वोट की आवश्यकता– लगभग 90,000 से 120,000 के बीच ही होगी।

अर्थात्

जीत के लिये आवश्यक वोट लगभग 120,000

फाफामऊ विधानसभा की सपा की पूरी टीम (लगभग) 4500

= 27.66%

अर्थात औसत के सक्रिय नेता के जिम्मे 25–30 व्यक्ति की जिम्मेदारी है। परन्तु यह औसत है, इस लक्ष्य में विधानसभा प्रत्याशी, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, ब्लाक अध्यक्ष, सपा, जिला पंचायत सदस्य, ग्रामप्रधान, बी0डी0सी0, पार्षद और विधानसभा में अप्रत्यक्ष से सपा के कई दावेदार प्रत्याशी अपनी आत्मीयता, अपने व्यक्तित्व, अपने सहयोग के प्रभाव और विधानसभा के लोगों के साथ दुःख–सुख में सहयोग करके अपने व्यक्तित्व के अनुसार कई हजार से लेकर कई सौ वोट अपनी तरफ बांधे रहते हैं।

- साथ ही पार्टी के शीर्ष स्तर के विधानसभा के नेता अपनी वाणी और नैतिकता, नैतिक मूल्य और समय–समय पर वांछित मुद्दों पर जब संघर्ष करते हैं तो समाज में पार्टी के हित में संदेश जाता है।
- किसी भी दल का चुम्बकत्व अपने आस–पास छोटे बड़े नेताओं के आचरण व व्यवहार से आमजन में लोकप्रिय बनता है।
- साथ ही समाजवादी पार्टी के किसी भी विधानसभा में बहुत से कार्यकर्ता बहुत सक्रिय सहयोगी बनकर पार्टी को लाभ पहुँचाते है।
- साथ ही किसी भी दल में कुछ कार्यकर्ता अपने नकारात्मक व्यक्तित्व से पार्टी और संगठन को बहुत हानि भी पहुँचाते है।
- इसलिए बहुत सतर्क व सजग रहने की जरूरत है। पार्टी निरंतर अपने नकारात्मक सोच और ऐसे कार्यकर्ताओं और जो नकारात्मक स्वभाव से पार्टी को नुकसान पहुँचाने का प्रयास करें, पहले सुधार का प्रयास करें और न माने तो पार्टी से बाहर कड़ाई से करें।
- अब सवाल उठता है कि समाजवादी पार्टी का किसी भी विधानसभा में 4000 – 5000 पदाधिकारी का एक कैडर है परन्तु सघनता से जांच करने पर उक्त कैडर में कई खामियाँ नजर आयी।

## बूथ स्तर पर कमी –

समाजवादी पार्टी का नारा है कि एक बूथ 10 यूथ हो और कागज में एक बूथ प्रभारी व उसकी 9 सदस्यीय टीम की बात की गयी है।

- एक जांच में पाया गया कि लगभग 10 – 15% बूथ सिर्फ कागज पर हैं।
- कुछ बूथ प्रभारी बहुत उदासीन है।
- कुछ बूथ प्रभारियों के पास स्मार्ट मोबाईल नहीं है।
- लगभग प्रत्येक बूथ पर गांव के स्पष्ट वोटर (क्लियर वोटर) के 200–500 लोगों का व्हाट्सऐप ग्रुप तक नहीं है।
- बूथ स्तर पर माह में एक बैठक तक नहीं हुई है।
- बूथ स्तर पर बूथ प्रभारी के पास यदि मांगा जाय तो वर्ष 2017 वर्ष 2019, 2022, वर्ष 2024 की क्रम से मतदाता व रिकार्ड तक नहीं है और सबसे बड़ी कमी है कि बूथ स्तर तक गांव–गांव जाकर कार्यशाला कभी नहीं लगाई जाती है जबकि बूथ ही वोट की जननी है यही वोट बनता है, वोट की वैचारिक आत्मीयता तय होती है। फिर एक दल की साझा मंशा बनता है फिर वोट के दिन अपनी पूरी ताकत के साथ अपनी बहुमत की सरकार चुनने में लग जाता है।

परन्तु बूथ के सम्पूर्ण मत के बजाय सिर्फ बहुमत की लड़ाई है और हम वहीं फेल होते है। आखिर क्यों?

इसका एक ही उत्तर है कि हमारा बूथ स्तर का प्रयास आज परम्परागत है जबकि भाजपा का बूथ स्तर का प्रयास वर्ष 2003 में बहुत बदलाव के साथ उभरा तो वहीं हमारी संरचना में बदलाव नहीं हुआ।

इसका सच जानना है तो बूथ प्रभारी और उसकी 9 सदस्यीय कमेटी के 9 सदस्यों से बारी–बारी पूंछा जाय कि आपके बूथ में 10 यूथ में कौन है

किस पद पर है किस जाति से है? शायद 70% बता देगें। लेकिन 20–30 प्रतिशत लोगों को बूथ प्रभारी बनने का कोई शौक तक नहीं। बस बूथ प्रभारी जबरिया बनाये गये है।

**बौद्धिक प्रकोष्ठ उ0प्र0 द्वारा तत्काल बूथ पर निम्न काम करने का सुझाव दिया जा रहा है–**

एक ग्रामसभा में कुल कितना बूथ है उनके बूथ प्रभारी को एडमिन बनाते हुए व समस्त ग्रामसभा के सपा के खाटी चिन्तकों, महत्वपूर्ण वोटरों/वोटरों को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों को मिलाकर ग्रामीण स्तर पर एक व्हाट्सऐप ग्रुप विकसित किया जाय। जिससे उस गांव की आई0टी0 सेल कहा जायेगा।

इसी तरह पूरे एक विधानसभा के समस्त ग्राम पंचायतों की एक आई0टी0 सेल बना दी जायेगी।

**नोट/चेतावनी– जिस तरह विपक्षी पार्टी की रणनीति नित नये स्वरूप ले रही है उसको देखते हुए हमारी पार्टी को तत्काल ठोस कदम उठाते हुए विधिवत एक चैनल के रूप में कटिबद्ध होना पड़ेगा नहीं तो 2027 का विधानसभा चुनाव जीतने के भ्रम में अपना पूरा संसाधन लगाने के बाद भी अन्तिम दिन हार का मुँह देखेगें।**

**नोट–** यह रिपोर्ट पिछले दो वर्ष से देश में हो रहे बदलाव और कई राज्यों के चुनावों जैसे महाराष्ट्र, झारखण्ड, तेलंगाना, हरियाणा और अभी हाल ही बिहार विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत रखते हुए तैयार की गयी है।

जैसे बिहार चुनाव को लें–

वर्ष 2022 में जातिगत सर्वे आया तो लगा कि यादव 14.26% और मुस्लिम 17.7% (जो लगभग 2.3 करोड़ लोगों के बराबर है)

और राजद के पास पिछड़े, अतिपिछड़े दलित समाज का भी ठीक–ठाक वोट है।

परन्तु बी0जे0पी0 / आर0एस0एस0 की रणनीति व कूटनीति सिर्फ सारी मर्यादा तोड़ सत्ता पाने की लालसा के आगे महागठबंन्धन के सारे प्रयास व नैतिक संघर्ष बेकार साबित हुए।

सही मायने में जनमत बदलाव चाह रहा था जनता 20 वर्षो के लगातार शासन से ऊब चुकी है परन्तु संघ व बी0जे0पी0 और एन0डी0ए0 के नैतिकता विहीन राजनीति और धनबल के प्रभाव से सत्ता पर एन0डी0ए0 की जीत जहाँ संवैधानिक लोकतंत्र का गला घोटा वही बदलाव चाहने वाले नौजवानों के हाथ घोर निराशा और हताशा ही लगी है।

**अब समाजवादी पार्टी को तत्काल प्रभाव पार्टी कार्यालय पर जिम्मेदार नेताओं पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में तत्काल पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में एक डिजिटल एवं मानिटरिंग आधारित बूथ प्रबन्धन प्रणाली विकसित की जा सकती है।**

**जिसमें नियंत्रक टीम द्वारा सदैव प्रयास हो–**

1– प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

2– मतदाता सूची अपडेट हो।

3– चुनाव के समय डेटा आधारित रणनीति तैयार की जा सके।

4– पार्टी का बूथ एवं मतदाता नेटवर्क सशक्त और प्रभावी बने।

**समाजवादी पार्टी के कार्यालय में तैनात पर्यवेक्षक एवं नियंत्रक की तत्काल एक ऑनलाइन सिस्टम विकसित करे, जिसमें निम्न कार्य सम्मिलित हो–**

**1– <u>बूथ स्तरीय डिजिटल डैशबोर्ड–</u>**

प्रत्येक बूथ की एक यूनिट आई0डी0 हो जिसमें निम्न सूचनायें बूथ स्तर से कोई भी पार्टी का नेता और कार्यकर्ता पार्टी की आई0डी0 से देख सकता है।

(i) बूथ पर कुल मतदाता की संख्या

(ii) नये मतदाता के आवेदन की स्थिति

(iii) निरस्त/हटे/शिफ्ट मतदाताओं का विवरण

(iv) कमजोर एवं प्राथमिकता वाले मतदाता समूह अपडेट किया जाये।

(v) गतवर्ष ग्राम प्रधानी चुनाव, गतवर्ष 2022 विधानसभा चुनाव एवं गतवर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी भी बूथ सपा, बसपा, भाजपा व अन्य दल को कितना–कितना वोट मिला था यह जानकारी एक डिजिटल एवं मॉनिटरिंग आधारित बूथ प्रबन्धन प्रणाली विकसित किया जाय।

(vi) बूथ प्रभारी– नये मतदाता जो वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव से पूर्व बनाये जा सकते हैं। अपने बूथ के स्पष्ट वोटरों (Clear Voters) एवं ढुलमुल वोटरों (Wavering Voters) के नये महिला/पुरूष वोटरों का नाम एवं पिता का नाम और जन्म तिथि व एक मोबाईल नम्बर का डाटा फिट रखे।

**2– <u>कार्यकर्ताओं के लिए मोबाइल ऐप/पोर्टल</u>**

बी0एल0ओ0 मानिटरिंग सिस्टम की तर्ज पर–

बूथ प्रभारी

सेक्टर प्रभारी

जिला प्रभारी

संगठन मंत्री

को लागिंग सुविधा दी जाय, ताकि वे नियमित रूप से प्रगति अपडेट कर सके और मानिटरिंग कर सकें।

**3– रियल टाइम रिपोर्टिंग और समीक्षा व्यवस्था (Organizational System) जो इस तरह से कार्य करे–**

(i) मतदाता सूची का सत्यापन

(ii) फार्म भरवाना

(iii) सेक्टर स्तर से बूथ से प्रगति की समीक्षा

(iv) जिला स्तर से डेटा विश्लेषण एवं टीम का लगातार प्रशिक्षण

(v) राज्य कार्यालय/मुख्यालय द्वारा टाईम मॉनिटरिंग एवं रणनीति निर्माण

**4– प्रशिक्षण एवं जागरूकता मॉडल :**

राज्य कार्यालय/जिला कार्यालय/विधानसभा कार्यालय एवं (बूथ प्रबंधन– जो अभी नहीं है परन्तु भविष्य की आवश्यकता है) द्वारा समय–समय पर जिला स्तरीय, विधानसभा स्तरीय से बूथ स्तर कार्यकर्ताओं के लिए –

(i) डिजिटल प्रशिक्षण की व्यवस्था हो

(ii) बूथ मैनेजमेंन्ट वर्कशाप हो

(iii) चुनावी रणनीति मॉडयूल हो

(iv) बूथ आई0टी0 बनायी जाये

(v) प्रत्येक बूथ आई0टी0 सेल मिलाकर विधानसभा की एक आई0टी0 सेल हो जिसमें पूरे विधानसभा के जिम्मेदार नेता, कार्यकर्ता हो।

(vi) किसी एक जिले की सारी विधानसभा की सभी आई0टी0 सेल को मिलाकर जिला स्तर की आई0टी0सेल जो लगभग 25000 से लेकर एक लाख तक की हो ताकि एक ही बार में एक मैसेज जिला से छोड़ा जाय तो बूथ स्तर तक तुरन्त पहुँच जाये।

(vii) सारे जिलों की आई0टी0 सेल मिलाकर प्रदेश स्तर पर कम से कम 3 करोड़ से 4 करोड़ की आई0टी0 सेल हो जिसमें तीन स्तर हो।

(A) कोर आई0टी0 सेल जिसमे पार्टी के निर्देश जाये जिसमें प्रत्येक जिले से कम से कम 5000 नेता जुड़े हो।

(B) पार्टी के स्पष्ट वोटर, क्लियर वोटर, आई0टी0 सेल

(C) जिसमें हर जाति, समाज, सवर्ण आदि सभी वोटर/संभावित वोटर/ढुलमुल वोटर हों, जहाँ सामान्य सूचनायें और पार्टी नेतृत्व के सन्देश व गुडमार्निंग आदि जाते रहे।

**नोट— आज टेक्टनॉलाजी के दौर में कार्यकर्ता से सम्बन्ध और सम्पर्क बनाये रखना और उसकी आत्मीयता को पार्टी के पक्ष में तैयार रखने का एक सशक्त माध्यम आई0टी0 सेल है क्योंकि सशक्त माध्यम आई0टी0 सेल है क्योंकि हम कार्यकर्ता से विचारधारा के रूप में अपने पार्टी के एजेन्डे आदि के रूप में उससे सम्बन्ध बनाते है, समय देते हैं परन्तु जो आपके एक बार सम्बन्ध की मर्यादा में आया उससे लगातार सम्पर्क बनाये रखने के लिए आई0टी0 सेल बनाना ओर निरन्तर सार्थक सूचना भेजते रहना और वोटर का फिडबैक ले लेना बहुत जरूरी है।**

**अति महत्वपूर्ण**

**5— बूथ जीत माडल — चुनाव जीत माडल—**

यह प्रणाली केवल मतदाता जोडने तक सीमित न रहे बल्कि चुनाव में निम्नलिखित कार्य पर भी फोकस किया जाये—

(i) वोटर टर्न आउट मानिटरिंग

(ii) माइक्रोल लेवन पोलिंग योजना

(iii) कमजोर बूथों की पहचान

(iv) ढुल—मुल वोटर पर स्पष्ट पकड़ हेतु आत्मीयता के आधार पर उनके बीच पैठ बनना।

(v) मतदाता प्रतिशत विश्लेषण का मजबूत आधार बने।

## बूथ एजेन्ट की तलाश व प्रशिक्षण –

बूथ एजेन्ट का आज के परिप्रेक्ष्य में बहुत ही महत्वपूर्ण रोल है आज लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव, कोई भी उपचुनाव जीतने और जिताने में सन्दर्भित बूथ से उस बूथ के पोलिंग एजेन्ट का चयन अगर चुनाव के दिन से पूर्व कर लिया जाये तो ज्यादा बढ़िया होगा।

अक्सर समाजवादी पार्टी में पोलिंग एजेन्ट 50–60% मामलों में तत्काल बना दिये जाते हैं, व जबकि पोलिंग एजेन्ट वैसा व्यक्ति बने जिसका आत्मविश्वास ऊँचा हो और चुनाव के दिन पोलिंग बूथ होने वाले विधिक, प्रशासनिक, चुनाव सम्बन्धी प्रणाली और एक एजेन्ट के कार्य व्यवहार, दायित्व और निर्वाचन आयोग की गाईड लाईन के सम्बन्ध में उसे जानकारी हो अर्थात पोलिंग एजेन्ट का पूर्व चयन व उसका विधिवत प्रशिक्षण विधानसभा अध्यक्ष व उनकी विद्वान टीम द्वारा दिलवाना बहुत जरूरी है। आज दलित, पिछड़ा व वंचित अल्पसंख्यक समाज के बीच रिटायर्ड अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिस सेना से रिटायर कर्मचारियों की एक बड़ी टीम है आज से 20–25 साल पहले पी0डी0ए0 समाज में यह चीजें नहीं थी। आज पी0डी0ए0 समाज से रिटायर्ड कर्मचारी/दरोगा/सिपाही, क्लर्क/ रेलवे आदि से प्रत्येक ग्रामसभा में 4–6 व्यक्ति ऐसे जो या तो गावों में रहते हैं या शहर गांव से उनका करीबी सम्बन्ध है यह रिटायर्ड पी0डी0ए0 समूह नौकरी के दौरान कई चुनाव करवाया है। अनुभवी है और पुलिस प्रशासन के दांव पेच और उनके दबाव व प्रभाव में पुलिस व प्रशासन की नौकरी कर चुका है साथ ही हमारे यहाँ अधिवक्ता पी0डी0ए0 से समाज से पर्याप्त है। अगर हम अपने एक पोलिंग बूथ पर एक रिटायर्ड पुलिस/सेना/प्रशासन/शासन के लोगों को और वही दूसरी बूथ पर उसी गांव के किसी अधिवक्ता को एक साथ लगाते हैं तो बूथ पर तार्किक एवं बौद्धिक रूप से हमारी पार्टी बहुत मजबूत स्थिति में होगी।

अभी पर्याप्त समय है हमारी पार्टी और हमारे दल के नेताओं को पोलिंग एजेन्ट की तलाश कर और उनका विधिवत प्रशिक्षण कर प्रशिक्षण करवाना बहुत जरूरी है, वर्ष 2027 का चुनाव बहुत ही कठिन है। बी0जे0पी0 की तैयारी, संसाधन, बूथ, प्रबंधन, आई0टी0 सेल और उसके सहयोगी संगठन आर0एस0एस0 के बनाये जाल में कहीं उलझकर फिर हार का सामना न देखें इसलिये अभी से तैयारी बहुत जरूरी है।

**सही रणनीति से अपेक्षित परिणाम –**

अगर वास्तव में एस0आई0आर0 में सारे कार्यकर्ता आपसी तालमेल से पी0डी0ए0 जातियों को साथ लेकर मन से एक सप्ताह काम करते हुए उपरोक्त सर्वे रिपोर्ट में जो बातें अपने समाज के बौद्धिक प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गयी है को सही तरीके से अमल में लावे ओर बूथ आई0टी0 सेल से लेकर समय पूर्व प्रशिक्षित बूथ एजेन्ट की तैयारी और मतदाता सूची में सभी पी0डी0ए0 के लोगों का घर–घर जाकर नाम मतदाता सूची में डलवा देगें और पी0डी0ए0 जातियों में आत्मीयता से लग जायें तो मिशन 2027 में अपेक्षित परिणाम आयेगें।

1– हर बूथ पर सपा का एक मजबूत संगठन होगा।

2– मतदाता सूची सही बन पायेगी और हम अपने बूथ के सभी गलत नामों को कटवा सकते हैं।

3– चुनाव में बूथ स्तर की वास्तविकता आधारित रणनीति होगी।

4– पार्टी की चुनाव तैयारी तकनीकि रूप से सशक्त एवं आधुनिक होगी।

5– सपा की दो तरह की आई0टी0 सेल तत्काल बनाई जा सकती है एक वह आई0टी0सेल जिसमें सक्रिय कार्यकर्ता लगातार विधानसभा में एस0आई0आर0 के समय लगे रहें और उनकी एक अलग आई0टी0 सेल बनाई जाय। अर्थात 200–300+ लोकसभा एवं विधानसभा में आई0टी0 सेल होगी।

दूसरी आई0टी0 सेल में विधानसभा अध्यक्ष सहित पूर्व में उल्लिखित (उदाहरण फाफामऊ विधानसभा में जैसा कि लगभग 4643 जिम्मेदार लोगों की) एक अलग आई0टी0 सेल बनायी जाये।

**बी0एल0ए0 बूथ लेबल एजेन्ट :**

बूथ लेबल एजेन्ट पार्टियों द्वारा नियुक्त किये गये हैं पर समाजवादी पार्टी के बी0एल0ए0 की नियुक्ति बूथ पर कितनी है और क्या काम कर रहा है उनकी मॉनिटरिंग कौन सी टीम कर रही है इसकी सही तस्वीर आज नहीं दिख रही है आज जब उ0प्र0 के लगभग 40 जिलों में **बौद्धिक प्रकोष्ठ द्वारा** बारीकी से पड़ताल की जा रही है तो समाजवादी पार्टी का बी0एल0ए0 कहीं नजर नहीं आ रहा है और पार्टी के प्रवक्ता कहते नहीं थक रहे हैं कि बंगाल में टी0एम0सी0 उ0प्र0 के बी0एल0ए0 की नकल कर रही है। आज समाजवादी पार्टी के बड़े नेता से लेकर पूर्व मंत्री, विधायक, वर्तमान विधायक/एम0एल0सी0 से लेकर सभी जिम्मेदार कार्यकर्ता लगन और निमंत्रण में मस्त हैं और तथाकथित परिकल्पित बी0एल0ए0 जो कहीं दिख नहीं रहे हैं उनके दम पर एस0आई0आर0 पूरे प्रदेश में हो रहा है। **बौद्धिक प्रकोष्ठ** के जिम्मेदार लोगों का सर्वे है कि लगभग 4 दिसम्बर तक जिस तरह से वोट बन पाये और दिन में 12 बजे तक लगभग सैकड़ों गांव तक सम्पर्क कर जाना गया कि किसी बूथ पर 80 लोगों का तो किसी बूथ पर 300 से ज्यादा लोगों का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है।

तो वही **बौद्धिक प्रकोष्ठ** प्रयागराज के संस्थापक सदस्य श्री संदीप यादव (पूर्व प्रमुख) जो काफी सक्रिय हैं और उनसे जब जानना चाहा तो उन्होंने ई0आर0ओ0 फाफामऊ श्री हीरा लाल सैनी की 03.12.2025 की मीटिंग रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा फाफामऊ की रिपोर्ट दी।

**कुल मतदाता – 366178**

**कुल फिडिंग – 245770**

**फीडिंग आप्सन–3 – 184733**

**फीडिंगे आप्सन – 35832**

फीडिंग आप्सन–3 का मतलब मतदाताओं का खुद का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है–

या फिर उनके सम्बन्धियों का नाम भी मतदाता सूची में नहीं है। इन सबको प्रमाण प्रस्तुत करना पड़ेगा। इसका मतलब है कि मतदाताओं ने फार्म को गम्भीरता से नहीं भरा या फिर बी0एल0ओ0 ने जल्दबाजी में सारे फार्म गलत भरवा दिये या फिर चुनाव आयोग के सामने समय से काम पूरा करने के चक्कर में आप्सन–3 भरवा दिये या फिर समाजवादी पार्टी के बी0एल0ए0 और पूरी कार्यकर्ता टीम की सक्रियता में पूरी कमी रह गयी या फिर चुनाव आयोग समय बढ़ाये। तब फिर से एक–एक व्यक्ति भूल सुधार कर अपना नाम जुड़वा ले। **जनपद प्रयागराज के फाफामऊ विधानसभा की सर्वे रिपोर्ट तैयार करवाने में पूर्व ब्लाक प्रमुख माननीय संदीप यादव जी जो दिन रात एस0आई0आर0 फार्म भरवाने में लगे है और साथ ही उन्होंने काफी तथ्य इकट्ठा किया। वही दूधनाथ पटेल जी कई बार के जिला पंचायत सदस्य रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता हैं और गंगापार में गांव–गांव बूथ स्तर तक पकड रखते है और बौद्धिक प्रकोष्ठ की कार्यशाला को प्रशिक्षित करवाने में पूर्व ब्लाक प्रमुख संदीप यादव जी दूधनाथ पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका है और हमारे बौद्धिक प्रकोष्ठ के श्री सुदर्शन गुरू जी, श्री देवराज जी, श्री सुरेश जगजीत जी, श्री एल0बी0 यादव लखनऊ, श्री त्रिभुवन प्रसाद, श्री हरेन्द्र गुरू जी, श्री संजय शास्त्री जी, श्री राहुल आनन्दन जी, श्री शुभम सौरभ जी, श्री संजय कुमार कानपुर देहात, श्री अशोक माधव राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व भीम ज्ञान परिषद, आचार्य रामधारी जी राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व भीम अखाड़ा परिषद, श्री**

**रमेश जी बलिया, उमेश चन्द्रा आजमगढ़, आर0बी0 यादव चन्दौली, केशव कुमार वाराणसी, योगेन्द्र रामू नाथ, वाराणसी, अशोक यादव मऊ, श्री ईश्वर लाल जौनपुर, श्री लाल बहादुर जौनपुर, श्री हरेन्द्र कुमार एवं श्री विजय कुमार अम्बेडकरनगर, सी0बी0सिंह यादव मिर्जापुर, अनुंज यादव औरैया, हुकुम सिंह कन्नौज, अमरेन्द्र कुमार सीतापुर, सूर्यनाथ जी गाजीपुर, शरद् यादव युवा नेता जनपद मऊ, सन्तोष यादव, हण्डिया, प्रयागराज, शरद् यादव कौशाम्बी, प्रो0 विरेन्द्र कुमार गोरखपुर, डॉ0 हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय सचिव, निशिकान्त यादव, हरिकेश नारायण जी आदि जनपदों के बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी दिन रात मेहनत करके उक्त रिपोर्ट हेतु प्रमाणिक समाग्री उपलब्ध कराये जिनके लिए संगठन आभार व्यक्त करता है।**

# संवाद न्यूज एजेन्सी जनपद झांसी की एक रिपोर्ट

**जनपद झांसी में एस0आई0आर0 जनपद के कुल मतदाता 1577337 मतदाताओं में से 8 लाख के फार्म हुये डिजिलाइज झांसी रिपोर्ट संवाददाता झांसी न्यूज एजेन्सी एस0आई0आर0 की कवायद के दौरान ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं है उन्हें 4 दिसम्बर के बाद निर्वाचन आयोग की गाईड लाईन के अनुसार 13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिन्हे 2003 की वोटर लिस्ट अपना नाम नहीं मिल रहा है वह मतगणना प्रपत्र के पहले कालम को भरकर बी0एल0ओ0 को लौटा दें।**

न्यूज रिपोर्ट के अनुसार वहीं 1577337 मतदाताओं को 1601 बी0एल0ओ0 द्वारा मतगणना प्रपत्र घर–घर बांटे जा रहे हैं अर्थात एक बी0एल0ओ0 को औसतन 986 वोटर को मतगणना प्रपत्र देना है और भर कर जमा करवाना है। **बौद्धिक प्रकोष्ठ टीम उ0प्र0** द्वारा सैकड़ों प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों/ बी0एस0ए0 से सीधा संवाद किया गया तो पाया गया कि

अनुमानतः हर बी0एल0ओ0 की क्षमता समान नहीं होती है। एक ठीक–ठाक बी0एल0ओ0 एक दिन में औसत 50 फार्म बांट कर व भर कर और उसकी जांच कर और इस कार्य हेतु 10–12 घण्टा लगातार काम करे तो लगभग 50 मतगणना प्रपत्र क्लियर कर सकता है। जबकि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकायें पूरी तरह लग कर साथ काम करती है तो औसत 100 या 125 मतगणना प्रपत्र भरा जा सकता है।

सर्वे रिपोर्ट में बहुत कम जगह सपा के बी0एल0ए0 और बूथ प्रभारी/सेक्टर प्रभारी और फ्रण्टल इकाईयाँ नजर आ रही है। किसी भी विधानसभा से पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक आदि जोश भरते और गॉव–गॉव भ्रमण करते नजर नहीं आ रहे हैं जबकि अपने चुनाव में दिन–रात लगातार चलते रहते हैं। यही हाल जिला पंचायत अध्यक्ष/जिला पंचायत सदस्य/ ब्लाक प्रमुख/प्रधान/ पूर्व प्रधान/सपा की समस्त फ्रण्टल इकाईयों का है। हालाकि सभी लोग नहीं बल्कि बहुत से जिम्मेदार सपा के लोग एस0आई0आर0 को बहुत हल्के में ले रहे हैं। आज आपका वोट कटने वाला है उसे सही नहीं करवा पा रहे हैं।

आज सपा के 40 से 50 प्रतिशत कार्यकर्ता सक्रिय हैं बाकी कार्यकर्ता घूम कर दिन में 2 बजे के बाद निमंत्रण खाने में लगे है। सत्ता हाथ आवे इसकी चिन्ता नहीं है बल्कि नेता जी का अथक प्रयास होता है कि दिन रात लग कर एक भी निमंत्रण नहीं बचना चाहिए। साथ ही सपा के लखनऊ कार्यालय से जो मॉनिटरिंग होनी चाहिए वह नहीं हो पा रही है। जबकि वही हाल जिला कार्यालयों की भी है।

आज बी0एल0ए0 की नियुक्ति और उसकी सक्रियता पर सवाल उठा रहे हैं कहने को कई प्रत्याशी एक–एक विधानसभा में है वे लोग अपना वोट नहीं बचा पा रहे है और रात–रात तक शादी में जाकर अपना वोट और समाज सहेज रहे है और गांव मौजा पुरवा में घूमने का समय नहीं है अपने

ही आस–पास का वोट कट जायेगा? नेता निमंत्रण खाते रहेगें। यही नही पार्टी के बड़े–बड़े नेता बहुत जिम्मेदार नेता आज बैठे–बैठे एक जिला के विधानसभा अध्यक्षों/ सेक्टर प्रभारी/ जिनको जिम्मेदार समझे तुरन्त बात करें। माननीय नेता जी के परिवार से मा0 राम गोपाल यादव, मा0 शिवपाल सिंह यादव जी, मा0 धर्मेन्द्र यादव जी, मा0 डिम्पल यादव जी, मा0 आदित्य यादव जी, मा0 अक्षय प्रताप जी और उसी क्रम में प्रदेश के महत्वपूर्ण नेता एक–एक जिला बांट लें और कल से कम से कम दिन भर में 100 से 200 जिम्मेदार नेताओं/ कार्यकर्ताओं से 2 लेकर 5 मिनट वार्ता कर सही हाल जानने का प्रयास करें।

**बौद्धिक प्रकोष्ठ बी0एस–3** की टीम द्वारा पुनः आगाह किया जाता है कि जिस तरह से 4 दिसम्बर 2025 तक लगभग 30 से 35 प्रतिशत वोट मतदाता सूची से बाहर दिख रहे हैं अगर हम लोग सजग व सतर्क नहीं हो पाये तो लगभग 1 से डेढ़ करोड़ वोट उ0प्र0 के समस्त बूथों से कट चुका होगा। आप लोग फारचूनर, स्कार्पियों, इन्डीवर आदि वाहनों से निमंत्रण निपटा रहे हैं वहीं बी0जे0पी0/ आर0एस0एस0 के लोग सुबह कहीं पार्क में शाखा के माध्यम से पता करते हैं कि कौन सा वोट नहीं बन पाया और वहाँ पहुँच जाते हैं। बी0जे0पी0/ आर0एस0एस0 में हर जाति व समाज के लोग हैं और उनके बूथ प्रभारी, सेक्टर प्रभारी पन्ना प्रधान यहाँ तक पुजारी से लेकर प्रधानमंत्री तक अपने वोट को बचानें में लगे हैं।

वहीं सपा के लोग एस0आई0आर0 को बहुत हल्के में ले रहे हैं सिर्फ फेसबुक/व्हाट्सऐप पर 2 फोटो भेजकर साबित कर रहे हैं कि काम तेज हो रहा है जबकि एस0आई0आर0 के प्रति हमारे जिम्मेदार नेता ही मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को धोखा दे रहे हैं। यह रिपोर्ट जनपद चन्दौली, मऊ, वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर, गाजीपुर, देवरिया, बलिया, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, जौनपुर, भदोही, प्रयागराज, कौशाम्बी, कानपुर, कानपुर देहाता, प्रतापगढ़,

औरैया, जालौन, बांदा, रायबरेली आदि जिलों में प्रबुद्ध समाज से संवाद कर तैयार की गयी है।

सादर अनुरोध है कि उक्त रिपोर्ट को माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी और उनकी टीम हल्के में न लें। यदि एक करोड़ वोट सपा का कट जायेगा तो प्रत्येक विधानसभा में लगभग 24814 वोट कटेगा और यदि 50 लाख वोट सपा का कट जायेगा तो एक विधानसभा में अनुमानतः 12410 वोट कर जायेगा और यदि 25 लाख वोट कट जायेगा तो अनुमानतः एक विधानसभा में लगभग 6205 वोट कट जायेगा। वहीं अगर हमारे मात्र 15 लाख वोट भी कट जायेगें तो सभी 403 विधानसभा पर औसत प्रत्येक विधानसभा 3722 वोट अपना कट जायेगा।

- अगर हमारे 10 लाख वोट भी कट जायेगें तो हमारा 403 विधानसभा में प्रत्येक विधानसभा पर अनुमानतः 2482 वोट कट जायेगा।
- यदि हमारे 5 लाख वोट पूरे प्रदेश में कट जायेंगे तो प्रत्येक विधानसभा पर लगभग 1240 वोट कट जायेगा।

अर्थात हम आसानी से 40 से 50 विधानसभा का चुनाव खतरे में डाल देगें।

नोट– **अभी वक्त है स्वतः स्फूर्ति आन्दोलन और एक नैतिक बल के साथ प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति अपने गांव में 5 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक डट जाये। और सारे जिला अध्यक्ष/विधानसभा अध्यक्ष निमंत्रण और दावत से अपने को दूर कर लें। सिर्फ अपने निजी कार्यक्रम के अतिरिक्त बिलकुल कहीं न जाये। तभी आप दूरभाष से रोजाना 100 से 200 सेक्टर/बूथ प्रभारी/बी0एल0ए0 संवाद कर सही जानकारी ले पायेगें। अन्यथा हालात के लिए जिम्मेदार रहिये और जब एस0आई0आर0 चल रहा था तो याद करिये कि आप अपना कुर्ता चमका कर एक दिन में 10–10 निमंत्रण निपटा रहे थे**

**और अपनी अन्तर्रात्मा से प्रत्येक कार्यकर्ता/ जिम्मेदार नेता अवश्य पूछे कि कितने लोग जनप्रतिनिधि/जिम्मेदार नेता सांय 6 बजे से रात्रि 10 बजे/11 बजे तक कितने बूथ/सेक्टर प्रभारी/बी0एल0ए0 से बात किये। कितने जिम्मेदार नेता क्षेत्र में जा रहे हैं स्थित को खतरनाक हमारा संगठन बनाया है। एस0आई0आर0 कोई जटिल काम नहीं है बल्कि हमारे दलित–पिछडे, अति पिछड़े अति गरीब, अनपढ़, कम पढ़े लिखे यादव, कुर्मी, मौर्या, जाट, गुर्जर भी अपने एक वोट की कीमत नहीं जान पा रहे है।**

- **सर्वे में पाया गया है कि ग्रामीण स्तर पर गांव से जो परिवार मुम्बई/ कोलकाता कमाने सपरिवार गया है और एक–एक परिवार में 5–6 वोट हैं उनका वोट बहुत कम बन रहा हैं जबकि विधानसभा चुनाव 2027 में उनका वोट लगकर बनवाना है और चुनाव में उनको वोट देने के लिए प्रेरित करता है।**
- **उ0प्र0 में बूथों की संख्या 1.64 लाख नवभारत टाईम्स रिपोर्ट 04 अगस्त 2022 और जो बूथों पर वोटरों की संख्या घटने से 1.74 लाख हो गयी थी।**

## रिपोर्ट का निष्कर्ष

माना कि उ0प्र0 में 1.79 लाख बूथ है और प्रत्येक बूथ पर सपा का औसत 4 से 5 वोट कट जाता है तो 1,74,000 x 5 = 870000 वोट कट जाता है और अगर 403 विधानसभा में 870000 वोट को रखकर देखे तो औसत प्रत्येक विधानसभा में 2160 वोट कट जायेगा।

### पूर्वांचल के मनीआर्डर इकोनॉमी वेश जिले में लगना होगा–

उ0प्र0 के पूर्वांचल के जिले आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, चन्दौली, जौनपुर, वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोहीं अम्बेडकर नगर, प्रयागराज आदि जिले मनीआर्डर इकोनॉमी वेश जिले हैं।

जहाँ प्रत्येक बूथ से 10 से 15 परिवार मुम्बई, दिल्ली, सूरत आदि कमाने गया है। उनका परिवार महानगरों में है। प्रत्येक परिवार में 2 से 4 वोट हैं उनका वोट बनवाने में लग जाइये। उन्हें अभी से ग्राम ग्राम आई0टी0सेल से जोड़कर गांव बुलवाने का प्रयास करिये औसत हमारा एक बूथ पर 10 से 15 वोट बढ़ सकता है।

## प्रतियोगी छात्र/छात्राओं का सहयोग–

**नोट– पूर्वांचल के प्रतियोगी छात्रों को एस0आई0आर0 हेतु जागरूक करिये और आवाज लगाइये कि पूर्वांचल के प्रतियोगी छात्र 5 दिसम्बर 2025 से 11 दिसम्बर तक गांव में रहने की अपील करें।**

यह बात भले अटपटी लगे 4 दिसम्बर 2025 तक बुद्धजीवी प्रकोष्ठ की रिपोर्ट है कि एक अनुमान से हमारे उ0प्र0 में लगभग 50 लाख से ज्यादा वोट नहीं बन सकने का अनुमान है। हमारे महानगरों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, दिल्ली, कानपुर आदि में कई लाख लड़के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यदि एक अनुमान से पार्टी की विचारधारा में रंगे हुये 25000 हजार प्रतियोगी छात्र/छात्रायें गांवों में डेरा डालकर एस0आई0आर0 में लग जायें तो प्रत्येक छात्र अगले 5 दिन में लगभग 250000 से 300000 वोट बचा सकते हैं।

## व्यापारी/ कारोबारी/ डॉक्टर/ इंजीनियर/ अधिवक्ता आदि बुद्धिजीवी समाज से अपील –

ये बुद्धिजीवी साधन सम्पन्न हैं इन्हें इन लोगों से अपील की जाय कि 5 से 6 लगातार अपने नगरीय मोहल्लों में वार्ड में लग जायें और वहाँ बी0एल0ओ0/ बी0एल0ए0 और बूथ प्रभारी के सम्पर्क में रहकर

5–6 दिन मोहल्ले के एक–एक वोट से सम्पर्क करें और दलित/पिछड़ा/ अति पिछडे वंचित और अल्पसंख्यक और वंचित समाज के एक–एक वोटर से सम्पर्क कर वोटर बनने में हरसम्भव मदद करे।

## रिटायर्ड अधिकारियों/कर्मचारियों आदि का एस0आई0आर0 में सहयोग लिया जाय–

प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के रिपोर्ट के अनुसार लगभग पूरे प्रदेश में कार्य करने में सक्षम रिटायर्ड अधिकारी/कर्मचारी 25000 से 30000 के आस पास है उनमें लगभग 95 प्रतिशत तक पार्टी की पकड़ शून्य है। **बौद्धिक प्रकोष्ठ** कई बार माननीय जी से मीटिंग का प्रयास किया। श्री देवराज यादव जी कई बार 250 से अधिक रिटायर्ड अफसरों की सूची भेजी पर मुलाकात नहीं हो पायी। माननीय जी के पास पार्टी कार्यालय में **एक घेरा समूह है** जो नये बुद्धिजीवी को वहाँ जगह देना नहीं चाहता है। आज करीब 300 से अधिक रिटायर्ड अफसर अपने संसाधन से पार्टी हित में काम करना चाहते हैं जो पेन्शनर हैं और साधन सम्पन्न है परन्तु पार्टी के कुछ नेता/ पार्टी कार्यालय में जमे लोग नहीं चाहते कि वे लोग माननीय जी से मिले।

परन्तु आज ढंग से माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी और सभी जिलाध्यक्ष जिनके सम्पर्क में है बात करें तो सभी रिटायर्ड अफसर सक्रिय हो जायेगें।

## मतदाता सूची की जाँच टीम –

11 दिसम्बर को एस0आई0आर0 होने के उपरान्त जो भी अन्तरिम मतदाता सूची निर्वाचन आयोग देता है तो समाजवादी पार्टी सभी पार्टियों

से अपील करे कि प्रत्येक ग्रामसभा में 10 दिन एक साझा मीटिंग सपा, बसपा, भाजपा के सभी बूथ प्रभारी व ग्रामप्रधान व बी0एल0ए0 सपा आदि लोग ग्राम/ नगर अर्थात नगरों में पार्षद आदि टीम तैयार कर चेक करें कि गांव में सारे वोटर सही जुड़े हैं नगरों में सपा के लोग एक–एक घर पर नजर रखें कि वोट सही तो जुड़ा है गांव/नगर में किसी भी जाति या किसी भी दल से पूरे सही वोटर का वोट यदि नहीं बन पाया है तो इसका वोट बनवाने में सपोर्ट करें। साथ ही गांव/नगर में कोई भी वोटर गलत तरीके से वोटर बना है तो उसका वोट निरस्त करवाने का प्रयास करें। साथ ही सवर्ण समाज की बस्तियों में देखें कि जिन बेटियों की शादी हो गयी है या वहाँ की बुआ लोग वोटर लिस्ट में न छप पावें। अर्थात वोटर न बन पावें और यदि गलती से सपा का ऐसा कोई वोट रहता है उसको भी निरस्त वोट माने और वोटर लिस्ट से स्वेच्छा से नाम कटवा लें।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी से विनम्र अपील है कि अन्तरिम मतदाता सूची पर विचार गांव की खुली बैठक में करीब 4 से 5 वाचन हो और सबको अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाये और जो भी भारत का और उ0प्र0 का नागरिक है और 18 वर्ष की उम्र सीमा पार करता है स्त्री/पुरूष उसका वोटर बनवाने में पूरा सहयोग किया जाये।

## रिपोर्ट का निष्कर्ष

चूँकि समय कम है और हमारी मेहनत लचर दिख रही है सभी पक्षों को मजबूत कर 5 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक गाँव/नगरों में सभी नेता/ कार्यकर्ता लग जायें और समाज के सभी टेक्निकल/ मेहनतकश

लोगों का सहयोग लेकर प्रत्येक नागरिक को वोटर बनने में सहयोग करें। यहाँ नागरिक से आशय वाजिब नागरिक से है।

चूँकि प्रक्रिया बड़ी है यदि समाजवादी पार्टी राज्यव्यापी डिजिटल बूथ मैनेजमेन्ट सिस्टम लागू करती है तो आगामी चुनाव में संगठन/सशक्त पारदर्शी और परिणाममुखी बन सकता है।

आज पार्टी के पास प्रत्येक बूथ पर लगभग 10 से 15 लोगों की मानव सम्पदा है जिसमें 30 से 35 प्रतिशत लोग उदासीन हैं तो वहीं बी0जे0पी0 की टीम 100 प्रतिशत परिणाम देने के लिए लगी है। **प्रबुद्ध प्रकोष्ठ** उ0प्र0 की टीम समय रहते माननीय राष्ट्रीय समाजवादी पार्टी सभी सम्मानित नेतागण/ सभी जिलाध्यक्षगण/सभी विधानसभा अध्यक्षगण/सभी भावी प्रत्याशीगण 2027 सभी सेक्टर/ बूथ प्रभारी आदि सभी नेतागण से अपील करता हूँ कि आज वोटर बनवाना ही लक्ष्य रखें। इसी कार्य को पूरी निष्ठा व लगन से करने में ही संगठन की मजबूती भी बनेगी और सभी पदाधिकारियों को उत्तरदायित्व का बोध भी होगा।

पूरा प्रयास हो कि माह दिसम्बर 2025 तक पूरे प्रदेश में एक करोड़ नये लोगों को पार्टी कार्यालय की आई0टी0 सेल से जोड़कर उनको लगातार प्रशिक्षित करना है।

मिशन बड़ा है पार्टी के पास सीमित संसाधन, पर बड़ी मानव सम्पदा है आज हम अपनी बड़ी मानव सम्पदा को प्रशिक्षित कर उद्देश्य में लगा दें तो 2027 में हमारे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी प्रदेश के मुख्यमंत्री होगें और सारी समस्या सत्ता आने पर स्वतः खत्म हो जायेगी।

इसलिए हम आप और सबका दायित्व है कि उक्त रिपोर्ट को सतही न लेकर गहना से पढ़ें फिर विचार करें, कि हम आप अपने दायित्व से कहीं चूक रहे हैं। वर्तमान सही करें। भविष्य सही होगा।